भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1673
दिनांक 03.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत मध्य प्रदेश में जल गुणवत्ता परीक्षण की अवसंरचना

1673 श्री विवेक के. तन्खा:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) जल जीवन मिशन के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य में जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या एवं स्थान कौन-कौन से हैं जिनमें जल में वायरल/सूक्ष्मजीवी संदूषण, रासायनिक विषाक्तता तथा जैव रासायनिक ऑक्सीजन की मांग (बीओडी) की जांच करने की सुविधा उपलब्ध है;
(ख) राज्य में घरेलू नल जल कनेक्शनों की कार्यशीलता के संबंध में किए गए नवीनतम मूल्यांकन के प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं; और
(ग) राज्य के वह जिले, जहाँ पेयजल की नल से उपलब्धता का आकलन 70 प्रतिशत से कम किया गया है, का ब्यौरा क्या है, और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) से (ग): पेयजल राज्य का विषय होने के कारण, जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत आने वाली योजनाओं सहित पेयजल आपूर्ति योजनाओं की आयोजना, अनुमोदन, कार्यान्वयन, संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। भारत सरकार वित्तीय, नीतिगत मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता प्रदान करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में मदद करती है।

लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी), मध्य प्रदेश द्वारा सूचित किए गए अनुसार, राज्य में विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर कुल 155 जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इनमें से 103 प्रयोगशालाएं उप-मंडल स्तर पर, 51 प्रयोगशालाएं जिला स्तर पर और 1

प्रयोगशाला राज्य स्तर पर स्थित हैं। राज्य ने सूचित किया है कि सभी 155 प्रयोगशालाएं सूक्ष्मजीवी संदूषण का परीक्षण करने के लिए सुसज्जित हैं। बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) का परीक्षण राज्य स्तरीय प्रयोगशाला में किया जा सकता है, जबकि रासायनिक विषाक्तता के परीक्षण की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

पीएचईडी, मध्य प्रदेश ने बताया है कि जल जीवन मिशन के तहत पारिवारिक नल जल कनेक्शनों का नवीनतम कार्यशीलता मूल्यांकन यह संकेत करता है कि 77.21% परिवारों में नल जल कनेक्शन कार्य कर रहे हैं। इस मूल्यांकन में पानी की मात्रा की पर्याप्तता, आपूर्ति की नियमितता और पेयजल की गुणवत्ता के संबंध में सेवा प्रदायगी में सुधार लाने पर भी प्रकाश डाला गया है।

पीएचईडी, मध्य प्रदेश द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 55 जिलों में से 23 जिलों में पीने योग्य नल जल तक पहुंच 70% से कम है। कम कवरेज का प्राथमिक कारण यह है कि ये जिले मुख्य रूप से बहु-ग्राम योजनाओं (एमवीएस) और थोक जल आपूर्ति योजनाओं पर निर्भर हैं, जिनमें से कई कार्यान्वयन और पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं। 23 जिलों की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

*****

अनुबंध

दिनांक 03.08.2023 को उत्तर दिए जाने हेतु नियत राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1673 के उत्तर के भाग (क) से (ग) में उल्लिखित अनुबंध

मध्य प्रदेश के उन जिलों की सूची जहां पीने योग्य नल जल की उपलब्धता 70% से कम आंकी गई है

क्र. सं.	जिला	परिवारों की कुल संख्या	पारिवारिक नल कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या	शेष	पारिवारिक नल कनेक्शन वाले परिवारों का प्रतिशत (%)
1.	जबलपुर	2,21,284	1,54,172	67,112	69.67%
2.	बड़वानी	2,14,032	1,49,015	65,017	69.62%
3.	डिंडोरी	1,67,450	1,16,346	51,104	69.48%
4.	टीकमगढ़	1,96,621	1,35,918	60,703	69.13%
5.	रतलाम	2,56,243	1,72,889	83,354	67.47%
6.	विदिशा	2,29,617	1,53,079	76,538	66.67%
7.	आगर-मालवा	91,364	59,736	31,628	65.38%
8.	मंदसौर	2,41,653	1,51,735	89,918	62.79%
9.	शाजापुर	1,72,071	1,02,206	69,865	59.40%
10.	गुना	1,74,094	1,01,958	72,136	58.56%
11.	नीमच	1,32,663	76,858	55,805	57.93%
12.	सीहोर	2,24,765	1,28,006	96,759	56.95%
13.	रीवा	2,33,604	1,25,338	1,08,266	53.65%
14.	शिवपुरी	3,20,873	1,68,469	1,52,404	52.50%
15.	सिधी	1,92,280	1,00,673	91,607	52.36%
16.	मऊगंज	1,60,343	79,945	80,398	49.86%
17.	अशोकनगर	1,35,320	62,961	72,359	46.53%
18.	पन्ना	1,57,740	71,394	86,346	45.26%
19.	सतना	2,37,866	1,03,097	1,34,769	43.34%
20.	अलीराजपुर	1,38,101	59,080	79,021	42.78%
21.	छतरपुर	2,47,475	1,05,853	1,41,622	42.77%
22.	सिंगरौली	1,61,082	65,431	95,651	40.62%
23.	मैहर	1,36,204	54,757	81,447	40.20%